AECHN-25

Reg. No. | | | | | | | | |

II Semester B.C.A./B.Sc. (Fad) All B.C.A. Courses
Degree Examination, June - 2025
LANGUAGE HINDI
Kavya Lahari, Vaiganikon Ka Parichay
(CBCS SEP Scheme Freshers)
Paper - II

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) "मिट्टी की महिमा" कविता के कवि का नाम लिखिए।
2) पुश्तैनी घर-वार छोड़कर लोग कहाँ जा रहे थे?
3) कनकासन पर कौन बैठे हुए थे?
4) कबीरदास किसका नाम स्मरण करने के लिए कहते है?
5) सूरदास के आराध्य देव कौन है?
6) राजा कंस ने कृष्ण को मारने के लिए किसको भेजा था?
7) अकाल का प्रभाव क्या होता है?
8) पानी बरसने पर मिट्टी किस रूप में बदल जाती है?
9) रावण के पुत्र का वध किसने किया?
10) कविभरतभूषण के घर पहुँचने पर कौन-सी घटना घटी।

II. निम्नलिखित में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) कबीर गुरू गरवा मिल्या रलि गया आटै लूण जाति-प्रांति कुल सब मिटै, नावँ धरौगे कोण।
2) मै तो गिरधर के घर जाँऊ
गिरधर म्हॉरो साँचो प्रीतम, देखत रूप लुभाऊँ
रैण पडै तब उठि जाँऊ भारे गंये उठि आऊँ।
रैणदिना वाके संग खेलूँ, ज्यूँ त्यूं ताहि रिझाऊँ
जो पहिरावै सोइ पहिरूँ जो रे सोई खवाँऊ।
मेरी उनकी प्रीत पुराणी, उण बिन पल न रहाऊँ।
जहाँ बैठावे तितही बैठूं। बेचै तो बिक जाऊँ।
मीरा के प्रभू गिरधर नागर, बार - बार बलि जाऊँ।

[P.T.O.

3) पेड-पेड की गोद मे दुधमुँहे फूलों का।
कुलेल करते करते कुलकन।
ओढ और खोले,
रंगीन नैसगिक हसी हँसना
बहुत अच्छा लगता है मुझे।

III. निम्तलिखित में से किन्हीं दो कविता का रारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (2×15=30)

1) मिट्टी की महिमा
2) रावण का पुत्र-शोक
3) भूख

IV. निम्तलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए।। (1×6=6)

1) उनको प्रणाम
2) विदेह

V. निम्कलिखित में से किसी एक वैज्ञानिक का परिचय दीजिए। (1×10=10)

1) एस. सोमनाथ।
2) सी.एन. आर राव।

VI. निम्कलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। (1×10=10)

भारत के अधिकांश रहनेवालों की एक खास आदत है कि पेट का थोडासा इन्तजार हो जाने पर वे फिर आमदनी बढाने की कौशिश नहीं करतें। उनका जीवन बहुत ही सरल और सादा होता है। वे अपने कष्टों को बहुत कुछ सह लेते हैं।इन सब बातों की वजह से अनकी रहन-सहन का दर्जा बहुत नीचा होता है। वे आधा पेट खाकर दिन बिताते हैं। आप पूछ सकते है कि भारत में भोजन की कमी है?यह ऐसा सवाल हैं जिसके ऊपर विभिन्न लोगों की विचार एक से नहीं है। मालथस नामक एक अंग्रेज अर्थशास्त्री का कथन है कि जनसंख्या भोजन की चीजों से कहीं अधिक तेजी से बढती है,उनके विचारों पर बहुत कुछ कहा जा चुका है जिस पर भी यह विचार अभी तक आदर की दृष्टि से देखे जाते हैं। यह स्पष्ट है कि भारत में जनसंख्या की बहुत ज्यादा वृध्दि हुई है और जनसंख्या एक भाग को एक वक्त भी पेट भर भोजन नहीं मिलता।